



एकलव्य मॉडल आवासीय वदियालयों में भरती संबंधी चर्चाएँ

प्रलिस के लयि:

[एकलव्य मॉडल आवासीय वदियालय \(EMRS\) योजना](#), [जनजातीय कषेत्र](#), जनजातीय शकषा, स्थानीय भाषा और संस्कृति

मेन्स के लयि:

हदि दकषता की आवशकता, [भरती का केंद्रीकरण](#)

[स्रोत: द हदि](#)

चर्चा में क्योँ?

देश भर में [एकलव्य मॉडल आवासीय वदियालयों \(Eklavya Model Residential Schools- EMRS\)](#) के लयि शकषक भरती के संबंघ में केंद्रीय बजट 2023 में कयि गए हालयि संशोधनों जनिके अंतरगत भरती के केंद्रीकरण ने [हदि दकषता को अनविर्य](#) कयि है जसिने कई प्रकार की चर्चाओं को उजागर कयि है।

- इस परिवर्तन के कारण हदि भाषी राज्यों से भरती कयि गए कई शकषक दकषणी राज्यों में नयिकृत के खलिफ वरिोध कर रहे हैं, क्योँकयि यहाँ की भाषा, भोजन और संस्कृति से अपरचिति है इस कारण बड़ी संख्या में इनके द्वारा स्थानांतरण का अनुरोध कयि जा रहा है।
- इससे संबंघति एक और चर्चा यह भी है कइ इन परिवर्तनों ने [जनजातीय वदियार्थियों पर प्रतकूल प्रभाव डाला है](#), जनिहें ऐसे शकषकों द्वारा पढाया जा रहा है जो स्थानीय भाषा और संस्कृति से अपरचिति हैं।

एकलव्य मॉडल आवासीय वदियालय (EMRS) क्या हैं?

- EMRS पूरे भारत में भारतीय जनजातियों (ST-अनुसूचित जनजाती) के लयि मॉडल आवासीय वदियालय बनाने की एक योजना है। इसकी शुरुआत वर्ष 1997-98 में हुई थी।
 - इन वदियालयों का वकिस जनजातीय वदियार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शकषा प्रदान करने के लयि कयि जा रहा है, जसिमें शैकषणिक के साथ-साथ समग्र वकिस की ओर भी ध्यान दयि जाएगा।
 - EMRS में **CBSE पाठ्यक्रम** का अनुसरण कयि जाता है।
- इस योजना का उद्देश्य जवाहर नवोदय वदियालयों और केंद्रीय वदियालयों की तरह ही वदियालय बनाना है, जसिमें स्थानीय कला तथा संस्कृति को संरकषति करने के लयि अत्याधुनिक सुवधाओं पर ध्यान केंदरति कयि जाएगा, साथ ही खेल एवं कौशल वकिस में प्रशकषण भी प्रदान कयि जाएगा। वतित वर्ष 2018-19 में EMRS योजना को नया रूप दयि गया।
- **संसद के वर्ष 2023 के बजट सत्र के दौरान**, वतित मंत्री ने घोषणा की कइ EMRS में कर्मचारियों की भरती की ज़मिमेदारी राष्ट्रीय आदविसी छात्र शकषा सोसायटी (National Education Society for Tribal Students- NESTS) को हस्तांतरति की जाएगी।
 - NESTS को अब देश भर में **400 से अधिक एकलव्य स्कूलों में 38,000 पदों पर स्टाफ उपलब्ध** कराने का काम सौंपा गया है।
 - भरती के केंद्रीकरण का उद्देश्य EMRS प्रणाली में शकषकों की गंभीर कमी को दूर करना तथा राज्यों में भरती नयिमें को मानकीकृत करना था।

नोट: जनजातीय मामलों के मंत्रालय (MoTA) के तहत, आदविसी छात्रों के लयि राष्ट्रीय शकषा सोसायटी (NESTS) की स्थापना एक स्वतंत्र संस्था के रूप में की गई थी। इसकालकष्य एकलव्य मॉडल आवासीय वदियालयों (EMRS) में शकषकों एवं छात्रों के प्रशकषण के साथ-साथ कषमता नरिमाण करना है।

जनजातीय शकषा हेतु अन्य पहल

- **राजीव गांधी राष्ट्रीय फेलोशिप योजना (RGNF):** RGNF की शुरुआत वर्ष 2005-2006 में की गई थी जसिका उद्देश्य ST समुदाय के छात्रों

को वजिज्ञान, मानविकी, सामाजिक वजिज्ञान तथा इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी में नियमिति और पूरणकालिक एम.फलि तथा पीएचडी डिग्री जैसी उच्च शक्ति प्राप्ति करने हेतु प्रोत्साहित करना था।

- **जनजातीय क्षेत्रों में व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र:** इस योजना का उद्देश्य ST छात्रों की योग्यता और साथ ही वर्तमान बाजार रुझान के आधार पर उनके कौशल का विकास करना है।
- **राष्ट्रीय प्रवासी छात्रवृत्ति योजना:** यह अनुसूचित जातियों, वमिकृत घुमंतू एवं अरुध-घुमंतू जनजातियों, भूमहीन कृषि मजदूरों तथा पारंपरिक कारीगरों की श्रेणी से संबंधित निम्न आय वाले छात्रों को वदिश में अध्ययन करके उच्च शक्ति प्राप्ति करने में सुवधि प्रदान करने के लिये एक केंद्रीय क्षेत्रक योजना है।
- **जनजातीय स्कूलों के डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के लिये पहल:** इस पहल का उद्देश्य सामाजिक कल्याण तथा सतत विकास हेतु **कृत्रिम बुद्धिमत्ता** पाठ्यक्रम प्रदान करके, शक्तिषकों के प्रशिक्षण एवं **AI-आधारित परियोजनाओं पर छात्रों को परामर्श** देकर एक समावेशी, कौशल-आधारित अर्थव्यवस्था का निर्माण करना है।

EMRS में भरती से संबंधित हालिया मुद्दा क्या है?

- **हृदि दक्षता की आवश्यकता:**
 - हाल ही में भरती के केंद्रीकरण ने हृदि दक्षता को अनिवार्य आवश्यकता के रूप में पेश किया है।
 - इसके परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में हृदि भाषी राज्यों से भरती किये गए कर्मचारियों को दक्षिणी राज्यों में EMRS में तैनात किया जा रहा है, जहाँ की भाषा, भोजन और संस्कृति उनके लिये अपरचित है।
 - सरकार ने कहा है कि बुनियादी हृदि भाषा दक्षता की आवश्यकता असामान्य नहीं है क्योंकि यह **जवाहर नवोदय विद्यालयों** और **केंद्रीय विद्यालयों** में भरती के लिये भी अनिवार्य है।
- **आदवासी छात्रों पर प्रभाव:**
 - एकलव्य विद्यालयों में अधिकांश आदवासी वदियार्थी ऐसे शक्तिषकों से लाभान्वित होंगे जो उनके स्थानीय सांस्कृतिक संदर्भों को समझते हैं, क्योंकि इन समुदायों के पास बहुत वशिष्ट संदर्भ होते हैं जिनके तहत शक्तिषण को अनुकूल बनाया जा सकता है।
 - सरकारी अधिकारियों ने कहा कि भरती किये गए शक्तिषकों से दो वर्ष के भीतर स्थानीय भाषा सीखने की अपेक्षा की जाती है लेकिन भरती किये गए शक्तिषकों में एक नई, पूरण रूप से अलग भाषा सीखने को लेकर आशंकाएँ हैं।
 - गैर-स्थानीय शक्तिषकों की नयुक्ति से जनजातीय वदियार्थियों की शक्तिषण पर नकारात्मक प्रभाव पड सकता है क्योंकि वे ऐसे शक्तिषकों के साथ तालमेल नहीं बैठा पाएंगे जो उनके सांस्कृतिक संदर्भ से परिचित नहीं हैं।

आगे की राह

- **स्थानीयकृत भरती:**
 - शक्तिषकों का छात्रों के सांस्कृतिक और भाषाई संदर्भों से परिचित होना सुनिश्चित करने हेतु शक्तिषकों की भरती में स्थानीय समुदायों को प्राथमिकता दी जानी चाहिये।
 - स्थानीय परंपराओं का सम्मान करते हुए शक्तिषण वधियों की वविधिता सुनिश्चित करने के लिये स्थानीय और गैर-स्थानीय दोनों प्रकार के शक्तिषकों की भरती की जानी चाहिये।
- **भाषा संबंधी अनुकूल आवश्यकताएँ:**
 - गैर-हृदि भाषी क्षेत्रों में अनुकूलन की अनुमति देने के लिये भरती में अनिवार्य हृदि योग्यता आवश्यकता का पुनर्मूल्यांकन किया जाना चाहिये।
 - शक्तिषकों को उनके नयोजित किये गए क्षेत्रों की स्थानीय भाषाएँ सीखने के लिये भाषा सहायता कार्यक्रमों को सक्रिय रूप से प्रोत्साहित किया जाना चाहिये।
- **सांस्कृतिक संवेदनशीलता प्रशिक्षण:**
 - सभी शक्तिषकों, वशिष रूप से गैर-स्थानीय क्षेत्रों के शक्तिषकों को व्यापक सांस्कृतिक संवेदनशीलता प्रशिक्षण प्रदान किया जाना चाहिये ताकि उन्हें उस समुदाय को समझने और उसमें एकीकृत होने में मदद मिल सके जिसकी वे सेवा करेंगे।
 - स्थानीय सांस्कृतिक संदर्भों और भाषा कौशल पर ध्यान केंद्रित करते हुए वर्तमान में जारी पेशेवर/व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों का उन्नयन किया जाना चाहिये।
- **नीति समीक्षा:**
 - शक्तिषकों और छात्रों दोनों पर इसके प्रभाव का आकलन करने के लिये भरती नीतिकी नियमिति समीक्षा की जानी चाहिये ताकि उभरते मुद्दों को संबोधित करने के लिये आवश्यक समायोजन किये जा सकें।
 - नीतियों का वभिन्न राज्यों के वविधि सांस्कृतिक और भाषाई परिदृश्यों के अनुकूल होना सुनिश्चित किया जाना चाहिये।

दृष्टिभेनस प्रश्न:

प्रश्न. एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों (EMRS) से संबंधित मुद्दों पर चर्चा कीजिये। साथ ही यह भी बताइए कि उन्हें कैसे हल किया जाए?

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. भारत में वशिष्ठतः असुरक्षित जनजातीय समूहों [खपटकुलरली वलनरेबल ट्राइबल गुरुप्स (PVTGs)] के बारे में नमिनलखित कथनों पर वचिर कीजयिः (2019)

1. PVTGs देश के 18 राज्यों तथा एक संघ राज्यक्षेत्र में नविस करते हैं ।
2. स्थरि या कम होती जनसंख्या, PVTG स्थतिकाे नरिधारण के मानदंडों में से एक है ।
3. देश में अब तक 95 PVTGs आधिकारिक रूप से अधसूचित हैं ।
4. PVTGs की सूची में ईरूलार और कौंडा रेड्डी जनजातयिों शामिल की गई हैं ।

उपर्युक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

- (a) 1, 2 और 3
- (b) 2, 3 और 4
- (c) 1, 2 और 4
- (d) 1, 3 और 4

उत्तरः (c)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/centralised-hiring-in-eklavya-model-residential-schools>

